

B.A. EXAMINATION 2020-21
SEMESTER-5TH (CBCS)

Dogri-Generic

Title: Dogri Bhasha te Lipi
Subject: Dogri
Course Code: UDG TGE-501

Credit: 04
M. Marks: 80
Duration: 3 Hours

भाग - क

लौहके सुआल (70-80 शब्दें च लिखो)

क. हेठ् दित्ते गेदे सब्भै लौहके सुआल जरूरी न :-

- i. भाशा केह् ऐ ?
- ii. लिपि केह् ऐ ?
- iii. नमें डोगरा अक्खर च स्वर लिखो ?
- iv. भाशा दी बनतर कनेही होंदी ऐ ?
- v. डोगरी "ऐ" प्रधान भाशा ऐ, दस्सों कियों ?

(3x5=15)

भाग-ख

मध्यम सुआल (250-300 शब्दें च लिखो)

ख. हेठ् दित्ते गेदे सब्भै मध्यम सुआल जरूरी न :-

- i. वाणी, भाशा ते बोल्ली दा अर्थ लिखो ?
- ii. भाशा दा अर्थ ते परिभाशां बारै विस्तार कन्नै लिखो ?
- iii. बोल्ली केह् ऐ ? भाशा ते बोल्ली च अंतर ?
- iv. डोगरी लिपि दे उद्धभव बारै खुल्लियै लिखो ?
- v. वाणी ते भाशा च अंतर स्पष्ट करो ?

(7x5=35)

भाग-ग

लम्में सुआल (500-600 शब्दें च लिखो)

ग. हेट्ट दित्ते गेदे लम्में सुआलें च कोई दो सुआल करो :-

- i. भाशा केहू ऐ ? डोगरी भाशा दी दियें विशेशताएं बारै तफसील कन्नै लिखो ?
- ii. डोगरी भाशा दे उद्धभव ते विकास बारै लिखो ?
- iii. डोगरी लिपि दा उद्धभव ते विकास बारै लिखो ?
- iv. हिंदी थमां नमें डोगरे अक्खर च रूपांतर करो:-

एक समय की बात है, एक गांव में ढेर सारे मुर्गे रहते थे। गांव के बच्चे ने किसी एक मुर्गे को तंग कर दिया था। मुर्गा परेशान हो गया, उसने सोचा अगले दिन सुबह मैं आवाज नहीं करूंगा सब सोते ही रहेंगे तब मेरी अहमियत सबको समझ में आएगी, और मुझे तंग नहीं करेंगे। मुर्गा अगली सुबह कुछ नहीं बोला। सभी लोग समय पर उठकर अपने-अपने काम में लग गए इस पर मुर्गे को समझ में आ गया कि किसी के बिना कोई काम नहीं रुकता। सबका काम चलता रहता है। इससे हमें शिक्षा मिलती है कि हमें घमंड नहीं करना चाहिए। हमारी अहमियत लोगों को बिना बताये पता चलती है।

(15x2=30)